B.A. Part I
Paper IInd

10.10.20

केन्ज द्वारा मुद्रा और कीमत सिद्धान्त की आलोचना

(Criticisms of Keynes' Theory of Money and Price)

मुद्रावादियों ने केन्ज़ के मुद्रा और कीमतों के सिद्धांत की निम्न बातों के लिए आलोचना की है—

(1). सीधा संबंध (Direct Relation) - केन्ज़ ने गलती से कीमतों को स्थिर मान लिया जिससे उसके विश्लेषण में मुद्रा का प्रभाव व्यापारिक वस्तुओं की मात्रा के रूप में प्रकट होता है, न कि उनकी औसत कीमतों में। इसीलिए केन्ज़ ने ~~प्र~~ अप्रत्यक्ष प्रक्रिया को अपनाया जिसके अनुसार आर्थिक क्रिया पर बांड कीमतों, ब्याज दरों और निवेश द्वारा मौद्रिक परिवर्तनों के प्रभाव दिखाए गये हैं। परन्तु मौद्रिक परिवर्तनों के वास्तविक प्रभाव अप्रत्यक्ष न होकर प्रत्यक्ष होते हैं।

(2) मुद्रा के लिए ~~स्थि~~ स्थिर मांग (Stable Demand for Money) - केन्ज की यह मान्यता थी कि मुद्रा में परिवर्तन अधिकतर मुद्रा की मांग में परिवर्तनों द्वारा विलीन कर लिए जाते थे। फ्रीडमैन ने अपने अनुभवसिद्ध अध्ययनों के आधार पर दर्शाया है कि मुद्रा के लिए मांग अत्यधिक स्थिर है।

(3) मुद्रा की प्रकृति (Nature of Money) - केन्ज़ मुद्रा की असली प्रकृति को समझने में विफल रहा। उसका विश्वास था कि मुद्रा केवल बांडों में ही विनिमय की जा ~~सक~~ सकती है। वास्तव में, मुद्रा अनेक भिन्न प्रकार की परिसंपत्तियों जैसे बांडों, सिक्योरिटियों, मौलिक परिसंपत्तियों, मानव संम्पत्ति आदि के साथ भी विनिमय की जा सकती है।

(4) मुद्रा का प्रभाव (Effect of Money) - क्योंकि केन्ज़ ने मंदी की अवधि के लिए लिखा, इससे उसे यह निष्कर्ष निकालना पड़ा कि मुद्रा का आय पर नगण्य प्रभाव होता है। फ्रीडमैन के अनुसार, मुद्रा में संकुचन से मंदी जल्दी आई। इसलिए केन्ज़ का यह तर्क गलत था कि मुद्रा का आय पर नगण्य प्रभाव होता है। वास्तव में राष्ट्रीय आय पर मुद्रा का प्रभाव अवश्य होता है।

Scanned by CamScanner